

डॉ. गैरी मीडर्स, 1 कुरिन्थियों, व्याख्यान 27, 1 कुरिन्थियों 11:2-34, सार्वजनिक उपासना के प्रश्नों पर पौलुस का उत्तर, 1 कुरिन्थियों 11:17-34

© गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिया गया उपदेश है। यह व्याख्यान 27, 1 कुरिन्थियों 11:2-34, सार्वजनिक उपासना के प्रश्नों पर पॉल का उत्तर है। 1 कुरिन्थियों 11:17-34, ईश्वर के समक्ष आराधना में विश्वासियों का समुदाय।

खैर, 1 कुरिन्थियों पर हमारे व्याख्यान में आपका स्वागत है। हम आज 1 कुरिन्थियों अध्याय 11 पर विचार कर रहे हैं। यह आपका नोट पैक नंबर 13, 1 कुरिन्थियों 11, श्लोक 17-34, इस अध्याय का अंतिम भाग है।

और यह एक दिलचस्प लेख है क्योंकि हमने अध्याय के पहले भाग में पुरुष-महिला पर बहुत कुछ पढ़ा है, और फिर हम पूरी तरह से दूसरे विषय पर चले गए, और हम वहाँ बिना किसी विशिष्ट संरचनात्मक संकेतकों जैसे कि पेरी-डेथ के चले गए, जो अब चिंताजनक है। इससे कुछ लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या पॉल अब उस पत्र में आए सवालों को संबोधित कर रहे हैं, 1 कुरिन्थियों 7:1, या क्या उनके मन में उस मण्डली के बारे में कुछ है जो इस विशेष स्थिति में सामने आती है, और वह इसका इलाज करते हैं। यह बिल्कुल वहीं है, और यह अध्याय 1-6 के अधिक विवादास्पद भागों से भी पूरी तरह से अलग अनुभव है।

इस विशेष अध्याय में, वह वास्तव में समुदाय, भोजन और विशेष रूप से प्रभु के भोज के उत्सव के रूप में जो कुछ वे देख रहे थे, उसके संबंध में उनके व्यवहार के लिए कुरिन्थियों पर कटाक्ष कर रहा है। खैर, आइए अब इस पर एक नज़र डालें। 1 कुरिन्थियों अध्याय 11 और श्लोक 17-34, आपके नोट्स में पृष्ठ 170 पर यह बिंदु संख्या दो, ईश्वर के समक्ष आराधना में विश्वासियों का समुदाय इस विषय को जारी रखता है, इस बार मुख्य रूप से प्रभु के भोज के संबंध में।

11, 17-32 में, गारलैंड कहते हैं, मजबूत या धनी लोग प्रभु के भोज की ओर मुड़ते हैं, वे प्रभु के भोज को एक उत्सव के भोजन में बदल देते हैं, जिसके दौरान सामाजिक रूप से वंचित या आर्थिक रूप से आश्रित देर से आने वालों को एक साथी के रूप में माना जाता है, जिन्हें पहले से मौजूद लोगों और घर के एक अलग हिस्से में खाने से अलग खाना पड़ सकता है, जिससे क्रॉस के चार अन्य लोगों को कमजोर किया जा सकता है, जिसे प्रभु का भोज 11-26 में से घोषित करता है। इसलिए एक सामाजिक भोजन होने के बजाय जो चर्च को प्रभु के सामने एक समुदाय के रूप में एक साथ लाना चाहिए, हमारे पास विभाजन हैं, हमारे पास एक पद के लिए होड़ है, और हमारे पास बिना किसी स्थिति वाले लोगों के साथ बहुत ही कच्चा कुलीन दर्जे का व्यवहार है। जैसा कि विंटर ने कहा, यह तर्क देने के लिए कि कुछ कुरिन्थियों के व्यवहार को इसलिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है क्योंकि प्रभु के भोज में, वे धर्मनिरपेक्ष कुरिन्थ में निजी रात्रिभोज के

सामाजिक रूप से स्वीकृत सम्मेलन का पालन करते हैं, और इसी तरह वह उनके व्यवहार को जिम्मेदार ठहराते हैं, और इसी तरह कई अन्य टिप्पणियाँ भी करती हैं।

अब, 17-22 आयतों में कुरिन्थियों की सभा में प्रभु के भोज की समस्या, यह खंड शायद पौलुस की सबसे ज़बरदस्त निंदा से शुरू होता है। 11, 17 में, निम्नलिखित निर्देश में, मैं आपकी प्रशंसा नहीं करता, क्योंकि आपकी सभाएँ अच्छे से ज़्यादा नुकसान करती हैं। यह बहुत ही स्पष्ट है, अब तक हमने जो कुछ पढ़ा है, उससे कहीं ज़्यादा स्पष्ट है, भले ही पौलुस के उनके साथ व्यवहार के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे दांव पर लगे हों।

ऐसा प्रतीत नहीं होता कि पौलुस 7-1 से कुरिन्थियों के प्रश्न का उत्तर दे रहा है, बल्कि वह एक अत्यावश्यक सार्वजनिक उपासना मुद्दे को संबोधित कर रहा है जिसके बारे में उसने सीखा है। पुरुषों और महिलाओं के बारे में बात करना और परमेश्वर के सामने आराधना करना शायद उसे इस समस्या के समाधान की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। 11, 17-22 में कुछ लाल झंडों पर विचार करें।

आइए इस पाठ को देखें। निम्नलिखित निर्देशों में, मैं 2011 NIV से पढ़ रहा हूँ, निम्नलिखित निर्देशों में, पॉल कहते हैं, मैं आपकी प्रशंसा नहीं करता, क्योंकि आपकी बैठकें अच्छे से ज़्यादा नुकसान करती हैं। सबसे पहले, मैंने सुना है कि जब आप एक चर्च के रूप में एक साथ आते हैं, तो विभाजन होते हैं।

यह बात कुरिन्थियों के पहले भाग की याद दिलाती है। आप लोगों में मतभेद हैं और कुछ हद तक मैं इस पर यकीन करता हूँ। यह एक तरह की व्यंजना है, क्योंकि मैं इस पर यकीन करता हूँ।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आप में से कौन भगवान की स्वीकृति प्राप्त करता है, यह दिखाने के लिए आपके बीच मतभेद होना चाहिए। यह बल्कि व्यंग्यात्मक है, लेकिन आप देख सकते हैं कि सामाजिक संरचना के स्तर पर भगवान की स्वीकृति किसके पास है, यह देखने के लिए यहाँ स्थिति का मुद्दा सतह पर आ रहा है। तो फिर, जब आप एक साथ आते हैं, तो आप प्रभु का भोज नहीं खाते हैं, बल्कि जब आप खा रहे होते हैं, तो आप में से कुछ लोग अपने निजी भोज के साथ आगे बढ़ते हैं।

परिणामस्वरूप, एक व्यक्ति भूखा रहता है, और दूसरा नशे में धुत हो जाता है। क्या आपके पास खाने-पीने के लिए घर नहीं है? या क्या आप उन लोगों को अपमानित करके परमेश्वर के चर्च का तिरस्कार करते हैं जिनके पास कुछ नहीं है? यहाँ स्थिति का सवाल है, अमीर और गरीब, अगर आप चाहें तो। मैं आपसे क्या कहूँ? क्या मैं आपकी प्रशंसा करूँ? निश्चित रूप से इस मामले में नहीं।

वह इस अनुच्छेद की शुरुआत पद 17 में बिना किसी प्रशंसा के करता है। वह पद 22 में बिना किसी प्रशंसा के इसे समाप्त करता है। आइए कुछ लाल झंडों पर नज़र डालें जो यहाँ दिखाई देते हैं।

सबसे पहले, 11:18 में तुम्हारे बीच विभाजन थे, और यह पत्र के पहले भाग की याद दिलाता है जहाँ उसने विभाजन और प्रतिद्वंद्विता, प्रतिस्पर्धा के बारे में बात की थी, जो कि उच्च पद वाले लोगों के साथ होता है। 11:19 में एक उच्च पद संघर्ष है, जैसा कि हमने पढ़ा है। आप में से कौन परमेश्वर की स्वीकृति प्राप्त करता है, यह दिखाने के लिए आपके बीच मतभेद होना चाहिए, जैसे कि आपकी अपनी स्थिति का दिखावा करना यह संकेत देना है कि परमेश्वर को आप पर स्वीकृति है।

सभा की प्रकृति रोमन स्थिति और भोजन प्रोटोकॉल, विशेष रूप से 11:20 और 21 का पालन करती है। गारलैंड ने प्लिनी द यंगर के ऐसे आयोजनों के विवरण का हवाला देते हुए कहा, सबसे अच्छे व्यंजन उनके सामने रखे गए थे, यानी मेजबान, और कुछ चुनिंदा, उनके खास मेहमान, और बाकी लोगों के सामने सस्ते खाने के टुकड़े। उन्होंने शराब को भी छोटे-छोटे फ्लास्क में रखा था, जिन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया था: एक उनके और हमारे लिए, दूसरा उनके कमतर दोस्तों के लिए, और उनके सभी दोस्तों को प्लिनी के अनुसार वर्गीकृत किया गया था, और तीसरा उनके और हमारे मुक्त व्यक्तियों के लिए।

तो, आप प्लिनी द्वारा उस भोजन की आलोचना में काम करने वाली सामाजिक संरचना और स्थिति को देख सकते हैं, और ऐसा लगता है कि हम यहाँ 1 कुरिन्थियों 11 में कुछ देख रहे हैं। इसके अलावा, नीचे 170 पर अगले बुलेट पॉइंट में, पॉल ने उनके इस दावे को नकार दिया कि यह प्रभु का भोज है। बहुत आगे, वह कहता है, तो फिर जब आप एक साथ आते हैं, तो यह प्रभु का भोज नहीं है जिसे आप खाते हैं।

वे समुदाय में अपनी साप्ताहिक पूजा के हिस्से के रूप में स्पष्ट रूप से इसका दावा कर रहे थे, लेकिन पॉल उन्हें इसका श्रेय नहीं देने जा रहा है। ध्यान दें कि विंटर लगातार इस खंड को प्रभु के भोज के रूप में संदर्भित करता है। अब, भोज, रात्रिभोज, यह सब एक ही ग्रीक शब्द है। एक सामान्य ग्रीक शब्द है जिसका उपयोग इस सब में किया जाता है, लेकिन जब मैं विंटर और प्रभु के रात्रिभोज पर उनके ध्यान को पढ़ता हूँ तो मुझे आश्चर्य होता है कि शायद उन्होंने खुद ही इस तथ्य पर व्यंग्य करने के लिए ऐसा करना चुना है कि हम उन्हें भोज शब्द का श्रेय भी नहीं देने जा रहे हैं, जो उस भोजन के साथ इतना आम है।

और वैसे, प्रभु के भोज के उत्सव के लिए प्रारंभिक चर्च में भोजन के साथ-साथ रोटी और प्याला भी था। वे अपनी कई बैठकों के दौरान भोजन के लिए एक साथ मिलते थे, और फिर वे वह भी मनाते थे जिसे हम प्रभु का भोज कहते हैं, जो कि सिर्फ रोटी और प्याला है। ध्यान दें कि विंटर लगातार इसे प्रभु के भोज के रूप में संदर्भित करता है, शायद इस आयोजन की अवैध प्रकृति पर व्यंग्य करते हुए।

ग्रीक शब्द आम है, लेकिन किसी कारण से वह सपर के बजाय डिनर चुनता है, जो कि एक जैसा नहीं लगता। मेरा मतलब है, ईसाई भाषा और शब्दावली में, लॉर्ड्स का मतलब कुछ होता है। लॉर्ड्स डिनर, अच्छा, इसका क्या मतलब है? और इसलिए मुझे लगता है कि शायद उसने जानबूझकर ऐसा किया है।

रात्रि भोज, रात्रि भोज, स्टेटस भोजों की विशिष्ट शराबी सेटिंग बन जाता है और भोजन, पेय और उपस्थिति दोनों में गैर-स्टेटस विश्वासियों को पूरी तरह से हाशिए पर डाल देता है। 20 से 22 में, यह प्रभु का भोज नहीं है जिसे आप खाते हैं, श्लोक 21, क्योंकि जब आप खा रहे होते हैं, तो आप में से कुछ लोग अपने निजी रात्रिभोज के साथ आगे बढ़ते हैं, संभवतः घर के अंदर भी। भौगोलिक रूप से स्टेटस स्थान हैं और साथ ही व्यक्तियों के बीच स्टेटस भी है।

यहाँ पुरातात्विक मुद्दों को उजागर करने में सबसे अधिक योगदान दे सकते हैं। आपको शायद गड़गड़ाहट सुनाई दे रही होगी। याद रखें कि मैं फ्लोरिडा में हूँ।

गर्मी के मौसम में दोपहर का समय है, इसलिए गरज के साथ बारिश हो रही है। उम्मीद है कि हमें यहां बिजली की समस्या नहीं होगी। नतीजतन, एक व्यक्ति भूखा रह जाता है, और दूसरा नशे में धुत हो जाता है।

क्या आपके पास खाने-पीने के लिए घर नहीं हैं, भले ही वे मेजबान घर में हों? या क्या आप उन लोगों को अपमानित करके परमेश्वर के चर्च का तिरस्कार करते हैं जिनके पास कुछ भी नहीं है? मैं आपसे क्या कहूँ? क्या मैं आपकी प्रशंसा करूँ? निश्चित रूप से इस मामले में नहीं। पॉल जितना स्पष्ट हो सकता है, वह यह है कि वह इस बात से बहुत, बहुत नाखुश है कि वे इस धार्मिक आयोजन, एक साथ संगति के संदर्भ में इस पवित्र भोज और फिर रोटी और प्याले के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं जिसे हम प्रभु का भोज कहते हैं। वह इस व्यवहार की स्पष्ट रूप से निंदा करता है।

पद 22 में, वह इसे बहुत स्पष्ट करता है: आपके व्यवहार के लिए कोई प्रशंसा नहीं, बिल्कुल नहीं। और इनमें से लगभग हर पद से सामाजिक स्थिति के मुद्दे को देखना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है, जिसे भोज और भोजन में और जब सभाएँ होती थीं, तब चित्रित किया जाता था। उन्होंने इसे सीधे चर्च में ले जाया था और खाने-पीने और नशे के मामले में बेहद अपमानजनक और यहाँ तक कि ईश्वर को गाली देने की हद तक अपमानजनक थे, जो रोमन भोजन का एक हिस्सा था, लेकिन प्रभु के भोज का जश्न मनाने का हिस्सा नहीं होना चाहिए जिसे यीशु ने हमारे लिए छोड़ दिया था।

इसलिए, वह यहाँ पद 17 से 22 में समस्या बताता है। इस संबंध में बहुत कम ही अस्पष्ट है। वह इसे स्पष्ट करता है, वह इसे बहुत स्पष्ट रूप से बताता है, और हमने रोमन कुरिन्थ की पृष्ठभूमि के बारे में पर्याप्त बात की है, मुझे लगता है, यह देखना शुरू करें कि कुरिन्थ में चल रहे विभिन्न वर्ग संघर्षों के संदर्भ में यह कैसा दिख सकता था।

प्रभु के भोज से संबंधित उचित परंपरा इसके बाद आती है। 17 से 22 में सांसारिक रात्रिभोज की सेटिंग की आलोचना करने के बाद, पॉल प्रभु के भोज की डोमिनिकल परंपरा का अभ्यास करता है। 23 से 26 में, वह सुसमाचारों से यीशु द्वारा दिए गए उस परिचय को उठाता है जिसे हम प्रभु का भोज कहते हैं।

अनुवाद और प्राप्त शब्द, क्षमा करें, प्राप्त और वितरित। क्योंकि मैंने प्रभु से जो प्राप्त किया, वह मैंने तुम्हें भी दिया या दिया। और फिर वह कहता है कि प्रभु यीशु उस रात को जब उसे धोखा दिया गया था।

पद 17 की शुरुआत में ही दो तकनीकी शब्द हैं, क्षमा करें, पद 23, जो यह बताते हैं कि पॉल अब परंपरा के आधिकारिक प्रसारण का उल्लेख कर रहे हैं। पॉल इसे 50 के दशक में लिख रहे थे। सुसमाचार, शायद मार्क, की रचना हो चुकी थी, और कुछ अन्य की रचना प्रक्रिया में थी।

वह समुदाय को जानता था। मुझे यकीन है कि उसे मैथ्यू के बारे में विशेष रूप से जानकारी थी। लेकिन फिर भी, प्रभु के भोज की शुरुआत करने वाली यीशु की डोमिनिकल परंपरा प्रारंभिक चर्च में मौखिक परंपराओं का एक प्रमुख हिस्सा थी।

और पॉल ने इसे समझा। वास्तव में, हम देखेंगे कि वह 1 कुरिन्थियों में सुसमाचारों के संबंध में इसे बहुत बार दोहराता है। पॉल इस शब्द का उपयोग करता है, विशेष रूप से दिए गए शब्द का।

वह श्लोक 23 में कहते हैं, "मैंने प्रभु से जो प्राप्त किया, वह मैंने तुम्हें दे दिया।" प्रभु यीशु ने, जिस रात उन्हें धोखा दिया गया, रोटी ली। इसलिए, उन्होंने मुक्ति की अवधारणा पर यह नाटक शुरू किया है।

यह पैरोडिकिस्ट है जिसके बारे में हमने पहले बात की थी, परंपरा। यह अध्याय 11 के आरंभिक भाग में आया था। पैरोडिकिस्ट और पैरेड्रवका, क्रिया रूप, सूचना की परंपरा के आधिकारिक प्रसारण के लिए तकनीकी शब्द हैं जिन्हें चर्च के भीतर आवश्यकताओं का हिस्सा माना जाता है।

अब, मैं यहाँ अध्यादेशों और संस्कारों के बारे में बहुत बात नहीं करने जा रहा हूँ, हालाँकि हम इस पर विस्तार से चर्चा कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। लेकिन मैं आपसे बस यही पूछूँगा कि आप अध्यादेश को कैसे परिभाषित करते हैं? या आप संस्कार को कैसे परिभाषित करेंगे? मैं आपको सुझाव देना चाहूँगा कि कुछ ऐसे हिस्से हैं, मैं अध्यादेश शब्द का उपयोग करूँगा, जो आपके पास होने चाहिए।

पहला, अध्यादेश यीशु द्वारा स्थापित एक अभ्यास है। अध्यादेश भी एक अभ्यास है जिसे यीशु ने कायम रखने का आदेश दिया है। हम इसे प्रभु के भोज और बपतिस्मा दोनों के साथ पाते हैं।

कोई यह भी तर्क दे सकता है कि पैर धोने की प्रथा को यहाँ शामिल किया जा सकता है। कुछ संप्रदाय और धार्मिक परंपराएँ हैं जो इसका अभ्यास करती हैं। इसके अलावा, न केवल यह यीशु द्वारा स्थापित किया गया था, यीशु द्वारा इसे कायम रखने का आदेश दिया गया था, बल्कि यह वास्तव में प्रारंभिक चर्च में प्रेरितों द्वारा निरंतर अभ्यास में है।

यहाँ पैर धोने का मामला थोड़ा मुश्किल है, हालाँकि इसे तीमुथियुस में देखा जा सकता है क्योंकि उसने संतों के पैर धोए थे। यहाँ कुछ मुद्दे हैं जिन पर संप्रदायों के बीच बहस होती है, जिन पर हम यहाँ चर्चा नहीं करेंगे। लेकिन आपके लिए यह सोचना अच्छा है कि वह क्या है जो वास्तव में प्रभु के भोज को अलग करता है, बपतिस्मा को अन्य प्रथाओं से अलग करता है।

और यह यीशु द्वारा इसे स्थापित करने, यीशु द्वारा इसे कायम रखने का आदेश देने और प्रेरितों द्वारा वास्तव में प्रारंभिक चर्च में इसे कायम रखने का मुद्दा है। अब सुविधा के लिए, मैंने आपको प्रभु के भोज के बारे में सुसमाचार कथनों का एक चार्ट दिया है जहाँ यीशु ने इसे स्थापित किया था। मैथ्यू, मार्क और ल्यूक।

हम जॉन को भी शामिल कर सकते हैं, लेकिन मैंने इसे सिनॉप्टिक्स तक ही सीमित रखा है क्योंकि मैं यहाँ 1 कुरिन्थियों 11 को भी शामिल करना चाहता हूँ। और आप देख सकते हैं कि ये कितने करीब हैं। मैथ्यू, मार्क और ल्यूक में, उसने एक प्याला लिया, और धन्यवाद देने के बाद, उसने उन्हें यह कहते हुए दिया, तुम सब इसमें से पीओ।

मार्क में भी लगभग यही बात है। और साथ ही, यह लूका में पद 20 तक एक अलग क्रम में आता है, और उसने भोजन के बाद प्याले के साथ भी ऐसा ही किया। यह थोड़ा अलग बदलाव है क्योंकि लूका ने रोटी और प्याले से ज़्यादा भोजन के बारे में बताया है।

और यह एक और कारण से महत्वपूर्ण हो जाता है जिसका मैं बाद में उल्लेख करूँगा। 1 कुरिन्थियों 11, आयत 25 में उसने रोटी की एक रोटी ली उसी तरह जैसे उसने एक प्याला लिया था। रोटी की रोटी टूटी और कहा कि यह मेरी देह है; यह तुम्हारे लिए है और इसी तरह।

इसलिए, पॉल रोटी और प्याले के संबंध में उसी प्रभुसत्ता परंपरा का पालन करता है। आप इसे 1 कुरिन्थियों की तुलना में सुसमाचारों से स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। लेकिन यह सब कुछ नहीं है।

पॉल द्वारा प्रभु भोज के पूर्वाभ्यास में, विंटर ने एक अवलोकन किया कि, उद्धरण, पॉल ने संस्था कथा के शब्द क्रम को बदल दिया है। न केवल हमारे पास रोटी और प्याले की संस्था है और फिर कुरिन्थियों में पॉल द्वारा इसकी पुनरावृत्ति है, बल्कि इसके पीछे समकालिक सुसमाचारों में यूनानी और 1 कुरिन्थियों में यूनानी भाषा है। ब्रूस विंटर के इस पर बारीकी से पढ़ने से एक दिलचस्प बात सामने आती है जिसके बारे में उन्होंने कई पृष्ठ लिखे हैं।

उन्होंने नोट किया कि विंटर का प्रस्ताव है कि पॉल यहाँ कुरिन्थियों को संदेश भेज रहा था। ग्रीक में व्यक्तिगत सर्वनाम म्यू, जिसका अर्थ है मेरा या अधिकारवाचक मेरा या मेरा, आगे बढ़ा दिया गया है। अब, मैंने इसके नीचे सूचीबद्ध किया है।

मैथ्यू, मार्क और ल्यूक में, और इसका अनुवाद यह है, टोटो एक प्रदर्शनकारी सर्वनाम है, यह, क्रिया है, तो मेरा शरीर मेरा शरीर है। और उनमें से प्रत्येक सुसमाचार में बिल्कुल उसी तरह कहता है।

हालाँकि, 1 कुरिन्थियों 11:24 में, पॉल ने टोटो मौ एस्टिन टू सोमा कहा। उसके पास यह मेरे लिए है, जो शरीर है, जो तुम्हारे लिए दिया गया है, जो वहाँ एक और मुद्दा है। लेकिन वह म्यू को रखता है, जो दूसरे लोगों में पाँचवें शब्द के बारे में आता है।

अब, ये व्यक्तिगत सर्वनाम, विशेष रूप से अधिकारवाचक सर्वनाम, बहुत घूमते हैं। ग्रीक में कोई महत्वपूर्ण नहीं है, मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए, ग्रीक में शब्द क्रम की मांग नहीं है। यह विभिन्न कारणों से शब्दों को अलग-अलग स्थानों पर रख सकता है।

यह विंटर की बात को भी थोड़ा-बहुत पुष्ट करता है, जो यह है कि पॉल ने जानबूझकर डोमिनिकल परंपरा से विचलन किया है। और इसके परिणामस्वरूप, विंटर को लगता है कि पॉल एक बात कह रहे हैं। अब, आपको विंटर को पढ़ना होगा और इसके बारे में सोचना होगा। क्या आप सहमत हैं कि यह इतनी बड़ी बात है, लेकिन वह ऐसा सोचता है?

मैं आपको पूरा उद्धरण नहीं देने जा रहा हूँ, लेकिन मैं आपको यहाँ चार्ट के ठीक बाद इसका अंत बता दूँगा, जहाँ विंटर कहते हैं, उद्धरण, यह स्पष्ट हो जाता है कि यूचरिस्टिक शब्दों को उद्धृत करने में पॉल का उद्देश्य केवल उस परंपरा को दोहराना नहीं था जो उसने पहले ही उन्हें दे दी थी, बल्कि यह बताना था कि उस परंपरा ने उनके आचरण का समर्थन क्यों नहीं किया, बल्कि उसकी निंदा की, क्योंकि मुझे प्रभु से प्राप्त हुआ था। देखिए, वह आधिकारिक संचरण है।

उसे यह परिभाषित करने का अधिकार दिया गया है कि वह भोजन क्या होना चाहिए और रोटी और प्याला क्या होना चाहिए। उस मुद्दे पर बोलने का अधिकार उसके पास है, इन कुरिन्थियन नेताओं के पास नहीं। वह आगे कहता है कि उस परंपरा के कुछ हिस्सों के शब्द क्रम को पुनर्व्यवस्थित करके, उसने एक सेवक के रूप में यीशु के कार्य के महत्व को स्पष्ट किया, जो उन्हें वाचा में शामिल करने के लिए उनके लिए खुद को समर्पित कर रहा था।

उनके कार्य ने कोरिंथियों के स्वयं-केंद्रित आचरण की पूरी तरह से निंदा की, जो उसी रात्रिभोज में प्रदर्शित हुआ, जिसे यीशु ने उनके लिए अपनी मृत्यु को याद करने के लिए स्थापित किया था। यीशु के आत्म-समर्पण का दुरुपयोग उनके अपने स्वार्थ और प्रतिष्ठा की चाहत द्वारा किया जाता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पॉल ने घोषणा की कि यह 1120 में प्रभु का रात्रिभोज नहीं हो सकता, क्योंकि उन्होंने प्रभु के भोज होने का दायित्व लगाया या, प्रभु का रात्रिभोज होने के नाते, अपने रिश्तों में मसीह का अनुकरण करने का दायित्व लगाया।

और वे यीशु की नकल करने के अलावा कुछ भी कर रहे थे। यह नकल का विषय सामने आता है। यह पहले ही सामने आ चुका है।

यह यहाँ आता है और पॉल के लेखन में कई मौकों पर मसीह का अनुकरण करने या पॉल की नकल करने के लिए आता है क्योंकि वह मसीह का अनुकरण करता है। यह पॉल में एक दोहराया गया विषय है। इस कुरिन्थियन में, यहाँ कुरिन्थियों का एक निश्चित समूह उस अनुकरण के भाव का पालन नहीं कर रहा है जो पॉल ने उन्हें सिखाया है।

और वह इस बात से खुश नहीं है क्योंकि वह मसीह के लिए ईर्ष्यालु है। वह प्रभु के भोज को उचित तरीके से मनाए जाने के लिए ईर्ष्यालु है। सुसमाचारों में यीशु द्वारा भोज आरंभ करने की घटना से जुड़ा प्रश्न यह है कि क्या यीशु ने वास्तव में फसह का भोजन खाया था? यह एक और पूरा प्रश्न है जिसे आमतौर पर विहित सुसमाचारों में संबोधित किया जाता है कि क्या यीशु ने प्याले के उत्सव में रोटी रखने के संबंध में फसह खाया था।

सुसमाचार साहित्य में इस पर बहुत सारा साहित्य है। मैं यहाँ इस पर विस्तार से चर्चा नहीं करने जा रहा हूँ। यह मुद्दा पैशन वीक के कालक्रम से संबंधित है जब फसह मनाया जाता था, और उन घटनाओं का क्रम कैसा होता है।

यह एक कुख्यात डोमेन है। डलास सेमिनरी के पूर्व छात्र हेरोल्ड होनर, जो अब दिवंगत हो चुके हैं, ने एक शोध प्रबंध लिखा था, फिर मसीह के जीवन के कालक्रम पर एक बढ़िया किताब लिखी। यह कई कारणों से एक बेहतरीन छोटी किताब है, लेकिन मैं सुझाव दूंगा कि आप होनर, होहेनर, हेरोल्ड होनर, क्राइस्ट के जीवन के कालक्रम के बारे में सोचें, ताकि आप उसमें से कुछ को समझ सकें।

आप इस बात पर विचार करने के लिए बहुत सारे साहित्य का सहारा ले सकते हैं कि यीशु ने फसह खाया या नहीं। गारलैंड ने इस प्रश्न पर विस्तार से चर्चा की है, और मैं इसे आपके पढ़ने के लिए छोड़ता हूँ। दूसरा, 27-34 में प्रभु के भोज का दुरुपयोग करने वाले समुदाय पर पॉल का निर्णय।

इसलिए, वह 17-22 में शुरू होता है, और उन्हें एक ऐसी प्रथा के लिए डांटता है जो स्वीकार्य नहीं थी। फिर वह उन्हें 23-26 में डोमिनिको परंपरा दिखाता है। फिर वह 27 में वापस आता है।

तो फिर, जो कोई भी अयोग्य तरीके से प्रभु की रोटी खाता है या उसका प्याला पीता है, वह शरीर और रक्त के विरुद्ध पाप करने का दोषी होगा। तो, वह इसकी निंदा की विशेषता पर वापस आता है। तो, प्रभु के भोज के संबंध में तीन खंड हैं।

यह गलत आचरण है, इसे कैसे अपनाया जाना चाहिए, तथा इसे गलत तरीके से अपनाने के परिणाम 27-34 में बताए गए हैं। 27 में इसका जो उल्लेख है, वह मैंने अभी पढ़ा है। लेकिन मैं एक बात का उल्लेख करना चाहता हूँ।

किंग जेम्स संस्करण में, जो कि बहुत ही शाब्दिक अनुवाद है, इसमें कुछ इस तरह लिखा है कि जो कोई भी अयोग्य रूप से रोटी खाता है या प्रभु का प्याला पीता है। कुछ इसी तरह। मेरे पास यहाँ यह बात नहीं है।

लेकिन एनआईवी, अपने गतिशील कार्यात्मक तुल्यता में, एक अयोग्य तरीके से कहता है। यह एक क्रिया विशेषण है, देखिए। कुछ लोग प्रभु के भोज, रोटी और प्याले का जश्न मनाने में संघर्ष करते हैं।

क्योंकि ईसाई होने के बावजूद भी वे ऐसा करने के लिए खुद को अयोग्य समझते हैं। शायद सप्ताह के दौरान, वे अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरे नहीं उतरे हैं। और वे रविवार की सुबह आते हैं, और यह कम्युनियन संडे है।

और वे प्रभु के भोज में भाग लेने में शर्मिंदा हैं। खैर, सप्ताह के पाप के आधार पर, इसके लिए औचित्य हो सकता है। और शायद किसी को समय-समय पर परहेज करना चाहिए।

लेकिन यह श्लोक उस बारे में नहीं है। यह श्लोक आपके मूल्य के बारे में बात नहीं कर रहा है। यह आपके बारे में बात नहीं कर रहा है।

यह इस बारे में बात कर रहा है कि प्रभु भोज कैसे मनाया जाता है। यदि आप किसी चर्च की बेंच पर या किसी ऐसी जगह पर बैठे हैं जहाँ आप प्रभु भोज मना रहे हैं, और आपके मन में ऐसी बातें आती हैं कि, मैं इसके योग्य नहीं हूँ। इसे स्वीकार करें।

इससे निपटें। आप इसे बहुत कम समय में कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यह तथ्य कि आपको दोषी ठहराया जा सकता है, एक अच्छा संकेत है।

और भगवान यह जानता है। वह आपको जानता है। वह यह सब जानता है।

वैसे भी, कोई रहस्य नहीं है। इसलिए स्वीकार करें और माफ़ी मांगें। और यही आपकी योग्यता है।

क्योंकि यह इस बारे में बात नहीं कर रहा है कि आप प्रभु भोज ले रहे हैं या नहीं। आप कभी नहीं लेते। यह एक अयोग्य विधि के बारे में बात कर रहा है, जिसका वर्णन हम पहले ही यहाँ देख चुके हैं, जो प्रभु भोज का दुरुपयोग है।

कुरिन्थियों के सामाजिक स्तर, संरचनाओं और प्रथाओं से, पॉल ने उन्हें पकड़ लिया। और जो कोई भी प्रभु के भोज को अयोग्य तरीके से मनाता है, वह इसका एक अच्छा प्रतिपादन है। वह प्रभु के शरीर और रक्त के विरुद्ध पाप का दोषी है।

अब यह एक गंभीर अपराध है। वे स्वीकारोक्ति कर सकते थे। वे अपने घुटनों पर गिर सकते थे और भगवान से अपने व्यवहार और इस अध्यादेश, इस संस्कार की पवित्रता पर ध्यान न देने के लिए क्षमा मांग सकते थे।

लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। और पौलुस बता रहा है कि वे पाप से निपटने के परिणामस्वरूप खुद पर निंदा का पेय और भोजन कर रहे हैं। 1 यूहन्ना 1, 9, यदि कोई पाप करता है, तो हमारे पास पिता के पास एक सहायक है।

अगर हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं, तो वह हमें क्षमा करने के लिए वफादार और न्यायी है। यह ईसाई की जिम्मेदारी है कि वह उन खातों को दैनिक, साप्ताहिक, यहां तक कि क्षणिक रूप से अद्यतित रखे। इसलिए, समस्या की यह घोषणा यह कह रही है कि यदि आप ऐसी स्थिति में हैं जहाँ लोगों द्वारा इसे करने के संदर्भ में प्रभु के भोज का दुरुपयोग किया जा रहा है, तो वहाँ से निकल जाएँ।

वह आपकी कीमत के बारे में बात नहीं कर रहा है। वह इस बारे में बात कर रहा है कि भोज किस तरह मनाया जा रहा है। दूसरा, 172 के निचले हिस्से में आत्म-परीक्षण की अपेक्षा।

पद 28 में प्रभु के भोज के समय आत्म-परीक्षण की अपेक्षा, प्रत्येक व्यक्ति को रोटी खाने और प्याले से पीने से पहले स्वयं की जांच करनी चाहिए। प्रभु का भोज एक गंभीर बात है। मुझे लगता है कि हम कई अवसरों पर अपने चर्चों में रोटी और प्याले का जश्न मनाने के तरीके को कमतर आंकते हैं।

हमें इसे हर हफ्ते करने की ज़रूरत नहीं है। हमें इसे महीने में एक बार करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे लगता है कि शायद महीने में एक बार करना एक न्यूनतम अपेक्षा होगी, लेकिन आपको इसे हर दिन या हर हफ्ते करने की ज़रूरत नहीं है जैसा कि प्रेरितों के काम की किताब में किया गया था।

प्रेरितों के काम वर्णनात्मक है, निर्देशात्मक नहीं। लेकिन जब आप इसे पढ़ें, तो गंभीरता से करें। इन बातों का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसे पढ़ें।

लोगों को सोचने और प्रार्थना करने का समय दें। प्रभु के भोज में बहुत सारी चीजें न रखें। कभी-कभी, अमेरिकी चर्चों में, हर समय शोर होता रहता है।

लोग चुप्पी बर्दाश्त नहीं कर सकते। खैर, इसके लिए यह एक अच्छी जगह है। हमारी अस्त-व्यस्त जिंदगी के कारण हमें चुप्पी की ओर ध्यान देना चाहिए।

आत्म-परीक्षण की अपेक्षा प्रभु भोज और उसके उत्सव का हिस्सा है। इसके अलावा, पृष्ठ के सबसे नीचे की तीसरी गोली आत्म-परीक्षण न करने का परिणाम है। श्लोक 29.

जो लोग मसीह की देह की गम्भीरता को समझे बिना खाते-पीते हैं, उनके लिए मैंने तुम्हें वहाँ थोड़ी सी बात बताई है, खाने-पीने के कारण वे प्रभु के भोज को अयोग्य रीति से ग्रहण करते हैं, और लापरवाह होते हैं। इसी कारण तुममें से बहुत से लोग कमज़ोर और बीमार हैं, और तुममें से बहुत से लोग सो गए हैं। मरने के लिए एक व्यंजना।

अब, एक कथन है कि हमारे पास कुरिन्थियों की पुस्तक में या अन्यथा उत्तर देने के लिए कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि नहीं है, लेकिन पॉल ने कहा है कि कुछ लोग मर चुके हैं। मुझे नहीं लगता कि उसने यह बात लापरवाही से या अतिशयोक्ति से कही है, लेकिन मुझे लगता है कि वह उस समुदाय में हुई कुछ चीजों का उल्लेख कर रहा है, जिससे लोग पहचान लेंगे और महसूस करेंगे कि प्रभु के आदेश के उनके लापरवाही से पालन के परिणामस्वरूप उन पर क्या आ पड़ा है। श्लोक 30 में।

कमज़ोर, बीमार, मृत। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह चलता रहता है।

समस्या का तत्काल समाधान, जब तक पॉल वापस नहीं आता, 11:33 और 34 में है। वास्तव में, मुझे 30 करने की आवश्यकता है। 31 को देखें।

श्लोक 30 में आगे कहा गया है। तुममें से कुछ लोग तो मर भी गए हो। तुम सो गए हो, लेकिन अगर हम अपने बारे में ज़्यादा समझदार होते, तो हम ऐसे न्याय के दायरे में नहीं आते।

फिर भी, जब प्रभु द्वारा इस तरह से हमारा न्याय किया जाता है, तो हमें अनुशासित किया जा रहा है ताकि हम अंततः संसार के साथ दोषी न ठहराए जाएँ। यह अध्याय पाँच का थोड़ा सा बदलाव है। परमेश्वर के घर में न्याय करो, और परमेश्वर को स्वयं नीचे आकर न्याय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

यह बहुत गंभीर मामला है। मुझे लगता है कि हम अपने मौजूदा चर्चों में इसे अनदेखा कर देते हैं क्योंकि हम आज ईसाई धर्म में हत्या करके बच सकते हैं, लेकिन भगवान की नज़र में नहीं। भगवान इन चीज़ों का हिसाब रखता है।

श्लोक 33 और 34, संकल्प। तो फिर, अब, देखिए कि वह श्लोक 30 में क्या कहता है। तो, फिर, मेरे भाइयों और बहनों।

वाह। मेरा मतलब है, यह अध्याय बहुत दमदार रहा है। पॉल ने मंदिर में पैसे बदलने वालों के साथ ऐसा व्यवहार किया मानो उसके पास कोड़ा हो।

वह इन मुद्दों पर एक तरफ से दूसरी तरफ से उन्हें पीटता रहा है। और फिर वह श्लोक 33 पर आता है। तो फिर, मेरे भाइयों और बहनों।

खैर, ऐसा ही होना चाहिए। सच कहूँ तो, हमें कठिन चीज़ों के बारे में सीधे और गंभीर तरीके से बात करने में सक्षम होना चाहिए, लेकिन इस प्रक्रिया में अपने रिश्ते को नहीं खोना चाहिए। वह अभी भी उन्हें ईसाई के रूप में गिन रहा है, भले ही वे कितने दूर चले गए हों, यहाँ तक कि इतनी बुरी तरह से कि उनमें से कुछ बीमार और मर चुके हैं।

तो फिर, मेरे भाइयों और बहनों, जब आप खाने के लिए इकट्ठे होते हैं, तो आपको सभी को एक साथ खाना चाहिए। यह एक ईसाई सभा है, कोई हैसियत वाली सभा नहीं। जो कोई भूखा है उसे घर पर कुछ खाना चाहिए।

यहाँ यह उम्मीद करके मत आना कि तुम्हें कोई सामान मिलेगा। ताकि जब तुम एक साथ मिलो, तो इसका नतीजा यह न हो कि तुम नियंत्रण से बाहर हो। और जब मैं आऊँगा, तो मैं आगे के निर्देश दूँगा।

पॉल ने एक दोस्ताना, उत्साहवर्धक और शिक्षाप्रद नोट पर लेख समाप्त किया। उन्होंने इसे नरम किया, लेकिन कोरिंथियन समुदाय पर प्रभु के भोज के दुरुपयोग के लिए जो निर्णय उन्होंने दिया, उसके संदर्भ में यह थोड़ा सा था। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पाठ है।

यह एक ऐसा पाठ है जिसका प्रचार आपको तब करना चाहिए जब आप प्रभु भोज में भाग लें। आप जानते हैं, बाइबल में बहुत सारे पाठ हैं जिनका प्रचार रोटी और प्याले के उत्सव से पहले किया जा सकता है, और यह उनमें से एक है। अब, यहाँ थोड़ा सा उपदेशात्मक होने के लिए, मैंने पृष्ठ 173 पर वह सब शामिल किया है जो मैंने गुड फ्राइडे जैसी परिस्थितियों में किया है, जो प्रभु के भोज के इस मुद्दे को कवर करता है।

मैं आपको पृष्ठ 173 और 174 पर गुड फ्राइडे से पहले की घटनाओं का एक सिंहावलोकन देने जा रहा हूँ, और फिर मैं आपको एक उपदेश देने जा रहा हूँ जो मैंने पहले भी दिया है और फिर से दूंगा, बेशक, गुड फ्राइडे के उपदेश के बारे में, ताकि आप देख सकें कि भोज किस तरह से फिट बैठता है और विशेष रूप से सुसमाचारों और बाइबिल के महाकथा के भीतर। उदाहरण के लिए, पृष्ठ 173 पर, प्रभु भोज का उचित अभ्यास, यहूदी फसह के इतिहास के भीतर प्रभु भोज की रूपरेखा। मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है।

यही हमारी विरासत है। हमारे पास यहूदी-ईसाई विरासत है, और फसह एक प्रमुख प्रतीक है जिसे यीशु ने अपनी मृत्यु में पूरा किया, और वह रोटी और प्याले के ज़रिए हमें याद दिलाता है। निर्गमन 12 और 13 में इसे बताया गया है।

मैं यह सब आपको पढ़कर नहीं सुनाऊंगा, लेकिन आपकी सुविधा के लिए यह यहाँ है। यह निर्गमन 12 में पारिवारिक संदर्भ में पालन का वर्णन करता है। 12 में फसह की पूर्व संध्या के समय मेमने का वध किया जाता है।

मेमने का खून अनुष्ठान के तौर पर दरवाजे की चौखट पर लगाया जाता है। छंद 8 से 11 में अखमीरी रोटी और कड़वी जड़ी-बूटियों के साथ भोजन। मैं हमेशा उस रोटी से परेशान हो जाता हूँ जिसका हम भोज में उपयोग करते हैं।

यह हमेशा खमीरयुक्त होता है, है न? परिवार का मुखिया भोजन के दौरान धार्मिक परंपरा का अभ्यास करता है, और फिर सात दिवसीय अखमीरी रोटी के त्योहार में पैकेज देता है जिसके लिए यरूशलेम की तीर्थयात्रा की आवश्यकता होती है। इसलिए, निर्गमन 12 और 13 में, यीशु स्वयं और पवित्र परिवार नासरत से यरूशलेम की यात्रा करते हैं। हमारे पास ऐसे अवसर हैं जो यीशु के जीवन के आरंभिक हैं, और फिर हम इसे बाद में यीशु की सेवकाई में देखते हैं क्योंकि फसह प्रमुख घटना, प्रमुख कैलेंडर घटना बन जाती है, जो हमें यीशु की सांसारिक सेवकाई के समय को मापने में मदद करती है।

लगभग चार फसह पर्व दर्ज हैं। उनमें से एक उतना स्पष्ट नहीं है, लेकिन फिर भी यूहन्ना में इसे फसह पर्व माना जाता है। तो, चार फसह पर्व, इसका मतलब है कि यीशु की धरती पर साढ़े तीन से चार साल की सेवकाई है।

व्यवस्थाविवरण 16:1 से 8, और आप 2 इतिहास की तुलना कर सकते हैं, फसह के उत्सव को पारिवारिक इकाई से राष्ट्रीय संदर्भ में स्थानांतरित करने को दर्शाता है। यह निर्गमन में परिवार के रूप में शुरू हुआ, और फिर इसे व्यवस्थाविवरण में एक धार्मिक उत्सव के रूप में चुना गया क्योंकि मूसा ने शिक्षा देना जारी रखा। व्यवस्थाविवरण दूसरा कानून है।

यह उस कानून की पुनरावृत्ति है जिसका उपदेश मूसा ने उनके देश में जाने से पहले दिया था, उसके बिना भी, और वह इसे व्यवस्थाविवरण 16 में दोहराता है। यह कुछ बदलाव लाता है, और वे यहाँ हैं। यह घर से राष्ट्रीय तीर्थयात्रा उत्सव तक जाता है।

जानवर भेड़ या मवेशी हो सकता है, और बलि का समय बदल गया है, शायद तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए, और यह भूनने से लेकर उबालने तक जाता है। इसलिए कुछ मुद्दे हैं जो मूसा ने, विभिन्न कारणों से, शायद ज्यादातर व्यावहारिक कारणों से, अपने धार्मिक इज़राइल उत्सव में बदल दिए हैं जो व्यवस्थाविवरण में आता है। आप यह भी देख सकते हैं कि दूसरे मंदिर यहूदी धर्म में फसह कैसे विकसित होता है।

ई. में मंदिर के विनाश तक, आपके पास वह है जिसे हम द्वितीय मंदिर यहूदी धर्म कहते हैं। उन्होंने उस अवधि के दौरान बहुत सारा साहित्य लिखा। यदि आप जुबलीस 49 को देखें, जो लगभग 150 ईसा पूर्व था, और फिर मिशनाह में, पेशारिम फसह का ग्रंथ है, जैसा कि हम इसे कहते हैं, उस पर साहित्य है।

जो लिखा गया था उसे लगभग 200 ई. या ई. में संहिताबद्ध किया गया था, जो प्रेरितों के समय के बहुत बाद की बात है, लेकिन यह पहली शताब्दी में मौखिक परंपरा में किसी अर्थ में मौजूद था। यह पूरी तरह से एक अलग मुद्दा है: आप कुछ रब्बीनिक सामग्री को कैसे लेते हैं जिसे यीशु के समय के कई सौ साल बाद तक संहिताबद्ध नहीं किया गया था। हालाँकि इसका कुछ हिस्सा पहली शताब्दी में मौखिक परंपरा में हो सकता था, लेकिन इस पर चर्चा की जानी एक अलग क्षेत्र है।

मैंने आपको वहां संदर्भ दिए हैं, आप उन्हें देख सकते हैं और यहूदी इतिहास में फसह के बारे में कुछ ऐतिहासिक अध्ययन कर सकते हैं। फिर, जब हम नए नियम में आते हैं, तो मैं मैथ्यू 26:17 से 46 की ओर इशारा करता हूँ। मैंने इसे खोलने के लिए मैथ्यू को चुना है।

आप देखेंगे कि मार्क 14 में और भी लंबा खंड है, 1 से 52 तक, और ल्यूक, मैंने शब्दों की गिनती नहीं की है, ल्यूक 22:1 से 53 में मार्क से थोड़ा आगे है, और फिर जॉन 13, जो ऊपरी कक्ष प्रवचन का हिस्सा है, ऐतिहासिक सेटिंग और अनुक्रम को समझने के लिए एक आधार प्रदान करता है जिसमें प्रभु के भोज की शुरुआत हुई थी। यह एक बहुत बड़ी बात है। प्रभु के भोज पर किताबें लिखी गई हैं क्योंकि हमारे पास इतने सारे ग्रंथ और ऐसी परंपरा है जब आप इसे पुराने नियम और अंतर-नियम यहूदी मुद्दों से जोड़ते हैं, जिस पर हम विचार कर सकते हैं।

यहाँ बहुत प्रचार है। आप प्रभु के भोज पर अलग-अलग जगहों से एक दशक तक प्रचार कर सकते हैं। सिनॉट्रिक्स और जोहानिन परंपराओं के बीच भिन्नता संभवतः धार्मिक समूहों के बीच विभिन्न काउंटरो के उपयोग, या लेखक की विषयगत रुचि, या फ्रेमिंग उद्देश्यों के लिए यीशु द्वारा पुनर्निर्धारित घटना के कारण है।

हम मान लेंगे कि यीशु ने क्रूस पर चढ़ाए जाने से एक रात पहले अपने शिष्यों के साथ फसह का भोज खाया था। यह सिर्फ संदर्भ स्थापित करने के लिए है। तो, हमें फसह की तैयारी मिल गई है।

मैंने यहाँ जो कुछ किया है, वह मैथ्यू के सुसमाचार कथा से आपके लिए प्रस्तुत किया गया है: चार बड़े कदम, भोजन की तैयारी, यहूदा के संबंध में जो शुद्धिकरण हुआ, और भाग लेना। यहूदा रोटी और प्याले से पहले चला गया। यह देखना बहुत महत्वपूर्ण है।

यदि आप सुसमाचारों का बारीकी से अध्ययन नहीं करते हैं, तो आप इन चीजों को नहीं देख पाएंगे, और कभी-कभी आपको एक सामंजस्य की आवश्यकता होती है, जहाँ आप कुछ प्रवाह को देखने में सक्षम होने के लिए एक साथ रखे गए अंशों को देखते हैं। फिर, उस स्थिति के अंत में प्रार्थना होती है। तो, हमारे पास फसह, अवसर, अखमीरी रोटी और फसह के पर्व की तैयारी है।

आपके पास निर्देश हैं, मेरा समय निकट है, वह 26:18 और 19 में कहता है। यह प्रकट करता है कि मसीह परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने के लिए आया था, और इस संबंध में मसीह की सर्वज्ञता मार्क 14:13 में आती है। इसलिए सिनॉट्रिक गॉस्पेल में इसके बारे में बहुत सारे विवरण हैं।

मैं बस इसे मैथियन कथा से प्रवाहित होने दे रहा हूँ। तो, शुद्धिकरण में, आपको विश्वासघाती का खुलासा मिला। यहूदा के साथ हमारे पास कितनी आकर्षक कथा है।

सभी 12 लोग वहाँ मौजूद थे। यहूदा उन 12 में से एक था। यीशु ने उन्हें बताया कि उसे धोखा दिया जाएगा।

मुझे लगता है कि यह परिपक्वता का संकेत है जब यीशु ने सिनॉट्रिक्स में ऐसा कहा, तो वे सभी आश्चर्यचकित थे, क्या यह मैं हूँ? क्या मैं यीशु को धोखा दूंगा? यह परिपक्वता का संकेत है। वे किसी पर उंगली नहीं उठा रहे थे। और मुझे यह दिलचस्प लगता है कि उन्होंने बस अपना हाथ नहीं उठाया और कहा, प्रभु, यह यहूदा ही होगा क्योंकि हम यहूदा को जानते हैं।

नहीं, जॉन जूडस के ऐसा करने के बारे में बात करता है, लेकिन वह ऐसा बाद में करता है। उसने ऐसा किसी ऐतिहासिक क्षण से नहीं किया है। वह पीछे मुड़कर देखता है और टुकड़ों को एक साथ जोड़कर ऐसा करता है।

यहूदा को समूह का हिस्सा मान लिया गया। और हमें इस बात से सावधान रहना चाहिए। भोजन के समय यीशु ने यहूदा पर ध्यान केंद्रित किया।

बेथनी में यहूदा के साथ एक घटना हुई, जिसमें यहूदा यीशु को धोखा देने के लिए धार्मिक नेताओं के पास गया था। लेकिन ऊपरी कमरे में, यह टकराव हुआ। उसने यहूदा के पैर धोए।

वह यहूदा को पहले भोजन कराकर उसे सम्मान का स्थान देता है। और फिर आपको उसका प्रस्थान मिलता है, जो रोटी और प्याले से पहले होता है। और इसलिए, यहूदा के साथ यहाँ बहुत ही रोचक मुद्दे हैं।

यहूदा के साथ कैसा व्यवहार करना है, इस बारे में सावधान रहें। इसके लिए कुछ शोध की ज़रूरत है। इस पर लेख लिखे गए हैं।

हमारे पास बहुत ज़्यादा जानकारी नहीं है। यहूदा के संबंध में हमें बहुत सी धारणाएँ बनानी होंगी। लेकिन यहूदा उन 12 लोगों के साथ था।

उस समय वह 12 में से एक था। किसी को भी यहूदा पर संदेह नहीं था। हो सकता है कि उन्होंने उसे कुछ ऐसे काम करते देखा हो जो उन्हें पसंद नहीं थे या जिनके बारे में उन्होंने सोचा था, लेकिन इससे वे इस हद तक प्रभावित नहीं हुए कि जब यीशु ने कहा, मुझे धोखा दिया जाएगा, तो उन्होंने यहूदा की ओर उंगली उठाई।

इस बारे में सोचो। यीशु ने जो भविष्यवाणियाँ की हैं, वे शुद्धिकरण के बारे में हैं, वे बिखर जाएँगे। वह मृतकों में से जी उठेगा।

और फिर पीटर का इनकार सामने आता है। मुर्गे के बांग देने और पीटर द्वारा आंगन में खुद पर से दबाव हटाने की कोशिश करने की एक और पूरी कहानी है। कितनी दिलचस्प कहानी है।

फिर आपको भाग लेने वाला मिल गया। यह शुद्धिकरण के तुरंत बाद है। भाग लेने वाला यहूदा चला गया है।

उन्होंने सोचा कि वह गरीबों को कुछ देने या कुछ और सामान खरीदने के लिए बाहर गया था। लेकिन अब हमारे पास 11 के साथ यीशु है। हम भोज की संस्था, प्रतीकात्मकता, भविष्यवाणी का वादा कर रहे हैं कि वह राज्य में फिर से इसे खाने जा रहा है, ऊपरी कमरे में एक विदाई संदेश, जो यूहन्ना 14 है।

फिर आपको एक भजन और पद 30 में प्रस्थान मिलता है। इसमें कहा गया है कि एक भजन गाने के बाद, वे चले गए। खैर, अगर आप इस पर एक सामंजस्य बिठाते हैं, तो आप देखेंगे कि उनके जाने से पहले कुछ चीजें चल रही थीं, जिन्हें जॉन ने रिकॉर्ड किया है।

फसह के त्यौहार में, फसह के भोजन में, हालेल भजन पूजा-पद्धति का हिस्सा होते हैं। हालेल भजन, स्तुति के भजन, फसह के दौरान गाए जाते थे। वे भजन 113 से 118 हैं।

आपको प्रभु के भोज के मद्देनजर भजन 118 पढ़ना चाहिए। अभी और प्रचार करना बाकी है। यह संभवतः आखिरी भजन या भजन है जो ऊपरी कमरे से बाहर जाने से पहले गाया गया था।

मत्ती 26:30 के अनुसार, उन्होंने गाया और फिर चले गए। यह संभवतः भजन 118 था। भजन 118 के बारे में बहुत सारी रोचक बातें हैं।

यह एक मसीहाई भजन है। इसमें कुछ संयोगवश विषमताएँ हैं। बाइबल का मध्य पद, अंग्रेजी बाइबल में, अंग्रेजी बाइबल का मध्य पद भजन 118 में है।

और बीच की आयत में कहा गया है कि, अगर मुझे सही से याद है तो, मनुष्य पर भरोसा करने से बेहतर है कि आप प्रभु पर भरोसा करें। और मुझे लगता है कि मुझे याद है। लेकिन भजन 118 में एक और प्रसिद्ध आयत है।

यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है। हम इसमें आनन्दित और प्रसन्न होंगे। मैंने लोगों को सूर्य के नीचे की हर चीज़ के लिए इस श्लोक का उपयोग करते सुना है, यह उनका अपना व्यक्तिगत श्लोक है।

वह श्लोक यीशु की मृत्यु के बारे में है। वह श्लोक उसके द्वारा चर्च के लिए, उसके लोगों के लिए, उन लोगों के लिए खुद को देने के बारे में है जो उस पर विश्वास करते हैं। यह सिर्फ़ आपका कीमती दिन ही अच्छा नहीं है।

भलाई यीशु की मृत्यु और पाप के लिए उसका बलिदान है। भजन 118 में यही बात कही गई है। इसका प्रचार करें।

भजन और प्रस्थान। फिर हमें गेथसेमेन के लिए प्रस्थान मिलता है। और उनके बाहर निकलने से ठीक पहले, मुझे लगता है, हमें जॉन 15 से 17 में प्रवचन मिलता है।

उन्होंने भजन गाया, लेकिन इससे पहले कि वे वास्तव में कमरे से बाहर निकलें, यीशु ने उनसे बात करना शुरू कर दिया। और वह जॉन 15 से 17 तक जितना कर सकता है, लेकिन वह इसे बीच में ही कर सकता है। हम यहाँ सभी विवरण नहीं जानते हैं, लेकिन यह ऊपरी कमरे का प्रवचन है।

आपको इसे ध्यान में रखना चाहिए। तो, सारांश में प्रभु के भोज के बारे में बहुत सारी रोचक बातें हैं जिन्हें आपको समझना चाहिए। और फिर बगीचे में प्रार्थना है जब वह कहता है, यह प्याला मुझसे दूर हो जाए।

वह प्याला संभवतः संसार के पाप को दफनाने से संबंधित है। जब वह क्रूस पर था, तो उसने कहा, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों त्याग दिया? आर्थिक त्रिमूर्ति में, इसकी कल्पना में पुत्र की भूमिका उसे पिता से अलग करती है। अब, त्रिमूर्ति में कोई अस्तित्वगत विभाजन नहीं है, लेकिन कल्पना में, हम इसे आर्थिक त्रिमूर्ति कहते हैं।

बेटे के पास पिता से अलग होने का वह क्षण होता है जब उसे दुनिया के पापों को सहना पड़ता है क्योंकि ईश्वर, पिता, ईश्वर त्रिदेव हैं, उन्हें पाप से मुंह मोड़ना पड़ता है। वे इसे देख नहीं सकते। यही वह कल्पना है जो चलती रहती है।

तो, यह अपने आप में एक उपदेश है। इस उपदेश में आपको चार बिंदु मिले हैं। खुलासे के लिए, वास्तव में, आपको तीन, मुझे कहना चाहिए चार मिले हैं।

आपको तैयारी, शुद्धिकरण, सहभागिता, और प्रार्थना - मत्ती 26 में आपके लिए तीन उपदेश दिए गए हैं। यदि आप वास्तव में इसे सही ढंग से करना चाहते हैं, तो आप चार उपदेशों की एक श्रृंखला बना सकते हैं, लेकिन उन्हें संपूर्ण पैकेज दिखाएं, फिर इसे विभाजित करें।

लोगों के लिए यह याद रखना बेहतर है। जंगल में इतना मत खो जाओ कि तुम्हें सिर्फ पेड़ ही दिखाई दें, ठीक है? अब, मैथ्यू का चित्रण है। अब, यहाँ मैंने आपको वही बताया है जो मैंने गुड फ्राइडे के उपदेश के लिए प्रचार किया है।

मैंने कई चर्चों और चर्चों के समूहों के साथ सामूहिक गुड फ्राइडे के उपदेश दिए हैं, और मैंने इसे इस तरह से किया, कम से कम एक तरह से। देखिए मैं इस शब्द का इस्तेमाल कैसे करता हूँ, और जब हम इस पर पहुँचते हैं कि यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है, तो मैं व्यंग्य करने जा रहा हूँ। इसमें खुश रहें।

आज एक अच्छा दिन है। ध्यान दें कि आप कुछ बोल्ड प्रिंट में देखेंगे कि मैं इस थीम पर कैसे काम करता हूँ। आज गुड फ्राइडे है।

जब हम समझते हैं कि यीशु के सांसारिक जीवन के इन अंतिम 24 घंटों में क्या था, तो ऐसा लगता है कि इसे गुड फ्राइडे कहना एक विरोधाभास है। इसमें क्या अच्छा है? इस अंतिम दिन में क्रोध, ईर्ष्या, घृणा और कायरता तर्क और न्याय पर विजय प्राप्त करती प्रतीत होती है। ऐसी चीज़ों में क्या अच्छा है? एक निर्दोष व्यक्ति की शारीरिक यातना और मृत्यु में क्या अच्छा है? मेल गिब्सन ने द पैशन ऑफ़ क्राइस्ट फ़िल्म में इस दिन को जिस तरह से चित्रित किया है, उसके बारे में किसी की भी राय जो भी हो, यह इतिहास के पन्नों में एक बहुत ही भयानक दिन था।

फिर भी, परमेश्वर की योजना में, यह एक अच्छा दिन था। पिछली रात को अंतिम भोज में गाया गया अंतिम गीत, संभवतः फसह के उत्सव में इस्तेमाल किए जाने वाले हलाल भजनों की श्रृंखला का अंतिम गीत था। भजन 118 अभी भी यीशु के कानों में गूँज रहा होगा।

शायद इस भजन के शब्द गेथसेमेन में प्रार्थना में उसके संघर्ष का हिस्सा थे। भजन 118 पढ़ें। देखिए, यीशु यह गा रहा है, यह जानते हुए कि उसके साथ क्या होने वाला है।

यहाँ बीच की पंक्ति है, पंक्ति 8. जिस पत्थर को बनाने वालों ने अस्वीकार कर दिया, यहाँ पेट्रिन की कल्पना है जिसे वह अपने पत्रों में लाता है, वह कोने का सिरा बन गया है। यह प्रभु का काम है। यह हमारी नज़र में अद्भुत है।

यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है। हम इसमें आनन्दित और प्रसन्न होंगे। यह श्लोक है।

ओह, प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह क्या है? अच्छा है। क्योंकि उसकी दया सदा बनी रहती है। वाह।

खैर, आप इसे इसके संदर्भ में समझ सकते हैं। क्या पाठ है। पीड़ा और सूली पर चढ़ाए जाने के उस दिन मौजूद सभी लोगों की भयावह परिस्थितियों और बुरे कर्मों के बावजूद, यह एक अच्छा दिन था।

यीशु के लिए, मनुष्य के एक अद्वितीय पुत्र और प्रभु के सेवक के रूप में, यह उत्कर्ष और अपमान का दिन था। हम, मानव पर्यवेक्षक, अपमान के पहलू पर ज़ोर देना चाहेंगे और उत्कर्ष

को पुनरुत्थान रविवार पर छोड़ देंगे। लेकिन इन घटनाओं के बारे में परमेश्वर का दृष्टिकोण ऐसा नहीं होगा।

यीशु की मृत्यु परमेश्वर की योजना में एक जीत थी। इस गुड फ्राइडे पर अपने चिंतन के लिए, कृपया यशायाह 52, पद 13 से 53, पद 11 पर जाएँ। और फिर, अपनी सार्वजनिक सेवाओं में बाइबल पढ़ें।

बस यह मत कहो कि, हमारे पास समय नहीं है। हम बाइबल नहीं पढ़ेंगे। अच्छा, बेहतर होगा कि आप चुप रहें और कभी-कभी बाइबल पढ़ें।

अपनी सार्वजनिक सेवाओं में बाइबल पढ़ें। पाठ की व्याख्या करें। खैर, मैं यही करने जा रहा हूँ।

और आप यहाँ देखेंगे कि मेरे पास सेवक के गीत की सेटिंग है, जो यशायाह 52 और 53 में यह मसीहाई पाठ है। सेवक के गीत की सेटिंग, पृष्ठ 176 पर क्रमांक दो। यशायाह में सेवक के गीत की संरचना और संदेश।

और फिर तीसरा भाग कहानी का बाकी हिस्सा है। और मैं जो करता हूँ वह यह है कि मैं यशायाह के बारे में विस्तार से बताता हूँ और यशायाह और उसके मसीहाई प्रस्तुति के बारे में बात करता हूँ, सेवक के काम को रेखांकित करता हूँ। यीशु प्रभु के सेवक थे।

अब, आपके लिए एक छोटी सी रोचक बात जानना ज़रूरी है। और मैं इसे यहाँ नोट में बता रहा हूँ, लेकिन मैं यह सब आपको पढ़कर नहीं सुनाऊँगा। जब हम यशायाह 52 और 53 को देखते हैं, जहाँ यीशु के हमारे लिए मरने की बात कही गई है, तो हम इसे मसीहाई के रूप में देखते हैं।

यदि आप इसे किसी यहूदी को पढ़कर सुनाते हैं, तो वे प्रभावित नहीं होंगे क्योंकि यहूदी इस पाठ को पूरे राष्ट्र के लिए लागू मानते हैं, किसी एक मसीहा के लिए नहीं। इसलिए, यदि आपको लगता है कि आप यशायाह को पढ़कर उन्हें प्रभावित करने जा रहे हैं, यदि वे अपनी बाइबल जानते हैं, तो वे प्रभावित नहीं होंगे। उन्हें पहले से ही यह सोचने के लिए तैयार किया गया है कि यह राष्ट्र के लिए है, न कि किसी व्यक्तिवादी मसीहा के लिए।

लेकिन पीछे मुड़कर देखें तो हम इसे यीशु, मसीहा पर लागू होते हुए देखते हैं। जब आप यशायाह के उस भाग को पढ़ना समाप्त कर लें, तो ध्यान दें कि उसमें क्या कहा गया है। मैंने कहा, आखिरकार यह एक अच्छा दिन है।

फिर दूसरा है संरचना, गीत का संदेश। यहाँ एक दिलचस्प चियास्म है जिसके बारे में मैंने आपसे दूसरे अर्थ में बात की है। बाइबल, परमेश्वर का वचन होने के साथ-साथ, साहित्य का एक अत्यधिक गढ़ा हुआ टुकड़ा है।

इससे कम कुछ भी वास्तव में सभी सृष्टि के महान परमेश्वर का सम्मान कैसे कर सकता है? यशायाह 52 और 53 में सेवक का गीत विचारशील संगठन को दर्शाता है। श्रोता पर सबसे अधिक

प्रभाव डालने के लिए, पाठ को एक साहित्यिक रूप में प्रस्तुत किया गया है जिसे चियास्म के रूप में जाना जाता है - 52, 13 से 15 में पहेली।

53:1 से 9 में रहस्योद्घाटन। और 53:10 से 12 में समाधान। फिर, मैं इस बिंदु के हिस्से के रूप में उनमें से प्रत्येक आइटम के बारे में बात करूँगा। एक बार फिर, मैं इसे आपके सामने रख रहा हूँ।

आप इसे अपना उपदेश बना लें। इसे खुलकर लें और इसका इस्तेमाल करें। और मुझे उम्मीद है कि यह आपकी मदद करेगा।

तो, जब हम बीच में पेज 177 पर आते हैं, तो हमें यशायाह 52, 13 से 53, 12 की संरचना में अद्भुत रूप से समाहित पीड़ित सेवक का संदेश मिलता है। लेकिन कहानी का बाकी हिस्सा क्या है? खैर, जैसा कि आप पीड़ित सेवक की कहानी सुनते हैं जो हमारे पापों के लिए मर गया। वैसे, पीड़ित सेवक का वह विषय, यीशु ने यूहन्ना के साथ अपने बपतिस्मा में उठाया।

वापस जाओ और बपतिस्मा का अध्ययन करो। वह वहाँ प्रभु का सेवक है। प्रभु का पीड़ित सेवक।

और अंदाज़ा लगाइए क्या? प्रेरितों के काम में, पॉल ने उस चुनौती को उठाया जिसे यीशु ने पीड़ित सेवक के रूप में रखा था और इसे खुद पर लागू किया। एडवर्ड फज, फज, फज नामक एक व्यक्ति का एक बढ़िया लेख है, जो एक दिलचस्प नाम है। एडवर्ड फज, एडवर्ड, मुझे लगता है।

पौलुस अपनी सेवकाई में प्रभु के सेवक की चुनौती स्वीकार कर रहा था। दिलचस्प बात है। जब आप हमारे पापों के लिए मरने वाले पीड़ित सेवक की कहानी सुनते हैं, तो आप आश्चर्य कर सकते हैं कि पुराने नियम का पाठ यहूदी लोगों को यह क्यों नहीं समझाता कि यीशु वास्तव में मसीहा है।

मैंने इसका ज़िक्र किया। एक तरह से यह मुद्दा बहुत सीधा है। वे पीड़ित सेवक को इस्राएल राष्ट्र के रूप में देखते हैं, न कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने दुनिया के पाप को ढोया।

वास्तव में, इतिहास ने परमेश्वर के जातीय लोगों, यहूदियों को बहुत पीड़ा दी है। हालाँकि, पहली सदी के एक मुखर यहूदी ने यशायाह की बात समझ ली थी। पतरस ने अपने पहले पत्र, 2:21-25 में, नए नियम में यशायाह 53 का सबसे विस्तृत प्रतिबिंब शामिल किया है।

मैं आमतौर पर अपने निष्कर्ष में उस पाठ को पढ़ता हूँ। इसलिए, जैसा कि हम यीशु की मृत्यु और गुड फ्राइडे तथा उस घटना का जश्न मनाने वाली रोटी और प्याले के बारे में अपने विचारों को समाप्त करते हैं, मैं बस एक पुराना भजन पढ़ना चाहता हूँ। फिर भी एक भजन, हाँ एक भजन, अमेरिका में दुर्भाग्य से लोग भजनों और भजन पुस्तकों के बारे में भूल गए हैं।

और वे कोरस गाते हैं। हम उन्हें 7-11 कहते हैं, एक भजन में दोहराए गए सात शब्द। 11 बार।

सच कहूँ तो इसमें बहुत ज़्यादा ताकत नहीं है। एक पुराना भजन कहता है, आप यीशु के साथ क्या करेंगे? यही इसका शीर्षक है। आप यीशु के साथ क्या करेंगे? आप तटस्थ नहीं हो सकते, क्योंकि एक दिन आप पूछेंगे, वह मेरे साथ क्या करेगा? परमेश्वर जो करता है वह सब उससे संबंधित है जो उसने क्रूस पर किया था।

यीशु की मृत्यु, क्रूस जिसके बारे में पौलुस ने बात की है, रोटी, और प्याला जो उस घटना का जश्न मनाता है। इसीलिए पौलुस को अध्याय 11 में मसीह के लिए इतनी ईर्ष्या थी। ईर्ष्या इस बात से थी कि कुलीन दर्जे के मुद्दे पर भोज का दुरुपयोग किया जा रहा था।

यह कितनी दयनीय बात है। लेकिन पॉल उन्हें घिसने के बाद पूरा चक्र पूरा करता है और कहता है, भाइयों और बहनों, इसे छोड़ो, ठीक हो जाओ, और जब मैं वहां पहुंचूंगा तो मैं तुमसे और बात करूंगा। खैर, मुझे उम्मीद है कि आप प्रभु के भोज के बारे में सोचने में खुद को लगाएंगे और पवित्र शास्त्र में मौजूद उस महान संपदा को देखेंगे जो निर्गमन से लेकर प्रकाशितवाक्य की पुस्तक तक इस विषय का जश्न मनाती है।

जब यीशु, अंत में, बैठेंगे और नई पृथ्वी, शाश्वत अवस्था में हमारे साथ एक बार फिर से इसका जश्न मनाएंगे। भगवान आपको आशीर्वाद दें।

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर उनके शिक्षण में है। यह व्याख्यान 27, 1 कुरिन्थियों 11:2-34, सार्वजनिक उपासना के प्रश्नों पर पॉल का उत्तर है। 1 कुरिन्थियों 11:17-34, ईश्वर के समक्ष आराधना में विश्वासियों का समुदाय।